बैठक कार्यवृत्त

दिनांक 18 जून 2020 को एफ0आर0डी0सी0 सभागार, सचिवालय परिसर देहरादून में डा0 आर0 मीनाक्षी सुन्दरम् सचिव सहकारिता की अध्यक्षता में आहूत राज्य स्तरीय नियोजन समिति (एस0एल0पी0सी0) की बैठक मे उपस्थिति–

1. डा0 आर0 मीनाक्षी सुन्दरम् सचिव सहकारिता
2. बी0एम0 मिश्र निबन्धक सहकारी समितियां उत्तराखण्ड
3. डा0 के0 के0 जोशी निदेशक, पशुपालन विभाग
4. डा0 नृपेन्द्र चौहान निदेशक, सेन्टर फॉस एरोमेटिक प्लान्ट्स
5. डा0 अविनाश आनन्द, परियोजना निदेशक, भेड–बकरी पालन रा0स0स0वि0 परियोजना
6. ईरा उप्रेती, अपर निबन्धक/प्रबन्ध निदेशक यू0सी0एफ0
7. अमित कुमार निगम, उपनिदेशक, एन0सी0डी0सी0 देहरादून
8. एच0के0 पुरोहित, परियोजना निदेशक, मत्स्य रा0स0स0वि0 परियोजना
9. महेन्द्र पाल उप निदेशक, उद्यान
10. एन0पी0एस0 ढाका, महाप्रबन्धक, उत्तराखण्ड राज्य सहकारी बैक लि0
11. जयदीप अरोडा, संयुक्त निदेशक, डेरी रा0स0स0वि0 परियोजना
12. डा0 सुनील कुमार अवस्थी, संयुक्त निदेशक, पशुपालन विभाग
13. एस0सी0 सिंह संयुक्त निदेशक, कृषि
14. डा0 सुनील साह, वैज्ञानिक सगन्ध पौधा केन्द्र, देहरादून
15. आनन्द ए0डी0 शुक्ल, परियोजना निदेशक/नोडल अधिकारी रा0स0स0वि0 परियोजना

बैठक में सचिव सहकारिता एवं राज्य स्तरीय नियोजन समिति के सदस्यों के समक्ष परियोजनान्तर्गत वर्ष 2019–20 में प्राप्त धनराशि के सापेक्ष उपयोग की गयी धनराशि एवं वर्ष 2020–21 हेतु प्रस्तावित धनराशि के सम्बन्ध में क्षेत्रवार परियोजना निदेशको द्वारा अपने–अपने क्षेत्रको से सम्बन्धित किये जा रहे कार्यो का प्रस्तुतिकरण किया गया। सर्वप्रथम डेरी क्षेत्रक का प्रस्तुतिकरण किया गया –

डेरी क्षेत्रक –

परियोजना निदेशक डेरी द्वारा अवगत कराया गया कि परियोजनान्तर्गत प्रथम चरण वर्ष 2019–20 में मु0 1300.00 लाख रु0 की धनराशि डेरी सेक्टर हेतु प्राविधानित/स्वीकृत की गयी जिसके सापेक्ष मु0 1254.68 लाख रु0 की धनराशि का उपयोग निम्न प्रकार किया गया–

1. दुग्ध संघ देहरादून, चमोली, अल्मोडा एवं चम्पावत को योजनान्तर्गत कार्यशील पूंजी दुग्ध संघों की आर्थिक तरलता की कमी को दूर करने के लिए उपलब्ध कराई गयी है, जिससे दुग्ध मूल्य भुगतान में विलम्ब नही हो रहा हैं।
2. दुग्ध संघों को कार्यशील पूंजी उपलब्ध होने के फलस्वरूप उनके द्वारा अपने उपयोगार्थ स्किम्ड मिल्क पाउडर तथा सफेद मक्खन का स्टॉक किया जा रहा है, जो कि विगत वर्षों में सम्भव नही हो पा रहा था।
3. दुग्ध सहकारी समिति सदस्यों को व्यवसायिक डेरी फार्मिंग हेतु प्रोत्साहित करने के लिये 03 व 05 दुधारू पशुओ की इकाई स्थापना हेतु सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

4. योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2019–20 को सम्मिलित करते हुए वर्तमान वित्तीय वर्ष में कुल 2800 दुग्ध उत्पादक सदस्यों को 10000 उन्नत नस्ल के दुधारू पशु कयार्थ सहायता उपलब्ध कराई गई है।

वर्ष 2020–21 हेतु मु0 5975.92 लाख रूपये की वित्तीय सहायता प्राप्त किये जाने हेतु निम्न प्रकार प्रस्ताव प्रेषित किया गया–

क्र0सं0	मद	धनराशि (लाख रू0 में)
1	03 व 05 दुधारू पशुओं की यूनिट स्थापना	4652.20
2	सहकारी डेरी फार्म की स्थापना	323.72
3	कार्यशील पूँजी	500.00
4	ब्राडिंग एवं मार्केटिंग	500.00
कुल योग		5975.92

डेयरी क्षेत्रक हेतु मुख्य कार्यक्रम निदेशक/सचिव सहकारिता द्वारा निम्न निर्देश दिये गये–

1. दुग्ध संघो को योजनान्तर्गत ससमय पर कार्यशील पूंजी उपलब्ध कराई गयी है, जिससे दुग्ध उत्पादकों के दुग्ध मूल्य के भुगतान में विलम्ब न हो।
2. दुग्ध संघों द्वारा अपनी क्षमता के अनुरूप ही स्किम्ड मिल्क पाउडर तथा सफेद मक्खन का स्टॉक किया जाये।
3. व्यवसायिक डेरी फार्मिंग हेतु 03 व 05 दुधारू पशुओ की इकाई स्थापना हेतु सक्षम दुग्ध समितियां/सदस्यों का चयन किया जाये जिससे परियोजना की ऋण धनराशि की वापसी समय पर की जा सके।
4. योजनान्तर्गत उपलब्ध कराये गये पशुओं की समय–समय पर चिकित्सीय जांच करने के साथ–साथ उनका बीमा भी अनिवार्य रूप से कराया जाये।
5. दुग्ध सहकारी समितियों को धनराशि अवमुक्त कराने से पूर्व ऋण वापसी के सम्बन्ध में समस्त औपचारिकतायें पूर्ण कर ली जायें।
6. दुग्ध सहकारी समितियों की आवश्यकतानुसार पी0पी0पी0/सी0सी0पी0 मोड पर भी कार्य किया जाये।

सहकारिता क्षेत्रक–

परियोजना निदेशक सहकारिता द्वारा अवगत कराया गया कि परियोजनार्न्तत प्राविधानित/स्वीकृत धनरशि मु0 1700.00 लाख रूपये से मु0 715.10 लाख रूपये का उपयोग निम्न गतिविधियों संचालित की गयी है –

1. हरा मक्का का उत्पादन कर सायलेज निर्माण एवं विपणन
2. सेब संग्रह एवं विपणन
3. अदरक की संयुक्त सहकारी खेती
4. डमस्क रोज वैली हेतु नर्सरी का निर्माण
5. बहु0 किसान सेवा सहकारी समिति लि0 लालढाग (गैन्डीखत्ता संकुल) पैक्स सशक्तिकरण ।

वर्ष 2020–21 हेतु मु0 22222.12 लाख रूपये की वित्तीय सहायता प्राप्त किये जाने हेतु निम्न प्रकार प्रस्ताव प्रेषित किया गया –

क्र0	मद सेक्टर	कार्य योजना	धनराशि
01	भण्डारण	यू0सी0एफ0 हेतु प्रावधानित धनराशि मरम्मत एवं कार्यशील पूंजी	5020.00
02	एम0आई0एस0	सोसायटीज के लिए ई–डिजिटल प्लेटफॉर्म सोल्यूशन की स्थापना	1700.00
03	कोल्ड चैन	Cold Chain, CA Store के माध्यम से शीत मूल्य श्रृंखला की स्थापना	2400.00
04	फूडग्रेन	मौन पालन व्यवसाय गतिविधि हेतु प्रत्येक मण्डल में 1000–1000 कुल 2000 शहद उत्पादक कृषको की सहकारी इकाई स्थापना मंडुवा व झिंगोरा 20+2 हजार मैट्रिक टन की खरीद व प्रोसेसिंग यूनिट स्थापना	2671.00
05	विपणन	मार्केटिंग समितियों का संचरनात्मक विकास व व्यवसाय योजना डमस्क रोज हेतु 4 अतिरिक्त नर्सरी प्रत्येक नर्सरी 50 नाली/यूनिट व प्रसंस्करण तथा मूल्य श्रृंखला स्थापना। सायलेज फैडरेशन की TMR यूनिट की CCP मॉडल में स्थापना मशरूम उत्पादन व्यावसायिक गतिविधि शाक भाजी, फल उत्पादन, मसाले, दालें, अनाज तथा जड़ी बूटी व सगन्ध पौध के प्रत्येक मण्डल में 5–5 संकुल (Cluster)	10430.34
योग			22222.12

सहकारिता क्षेत्रक हेतु मुख्य कार्यकम निदेशक द्वारा निम्न निर्देश दिये गये–

1. परियोजनान्तर्गत उपलब्ध करायी गयी धनराशि से संयुक्त सहकारी खेती के अन्तर्गत रोजगार सृजन के कार्य किये जाये।
2. सायलेज फैडरेशन द्वारा CCP मॉडल पर TMR यूनिट स्थापित किये जाने से पूर्व समस्त औपचारिकताये पूर्ण कर ली जाये।

भेड–बकरी क्षेत्रक–

परियोजना निदेशक भेड–बकरी राज्य समेकित सहकारी विकास परियोजना द्वारा अवगत कराया गया कि परियोजनान्तर्गत प्रथम चरण वर्ष 2019–20 में मु0 4000.00 लाख रु0 की धनराशि भेड़–बकरी सेक्टर हेतु प्राविधानित/स्वीकृत की गयी जिसके सापेक्ष मु0 2500.00 लाख रु0 की धनराशि का उपयोग किया गया। उत्तराखण्ड में भेड़–बकरी पालन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से राज्य स्तर पर उत्तराखण्ड राज्य भेड़, बकरी शशक पालक कोऑपरेटिव फेडरेशन लि0 का गठन किया गया है। साथ ही प्राथमिक सहकारी समितियों का गठन किया जा रहा है, जिसमें 5000 केवल महिला लाभार्थियों की प्राथमिक सहकारी समितियां गठित की जा रही है। सहकारी समितियों के सदस्यों को योजनान्तर्गत नस्ल सुधार हेतु उच्च गुणवत्ता के नर एवं मादा भेड़–बकरियां तथा संतुलित पशु–पोषण आहार एवं पशुचिकित्सा सेवाएं उपलब्ध करायी जायेंगी। उत्पन्न पशुओ को उत्तराखण्ड राज्य भेड़, बकरी शशक पालक कोऑपरेटिव फेडरेशन लि0 द्वारा क्रय किया जायेगा एवं भेड़–बकरी पालकों को सुनिश्चित मूल्य पर उपलब्ध कराया जायेगा।

परियोजना निदेशक भेड़–बकरी द्वारा यह भी अवगत कराया गया कि प्रथम चरण वर्ष 2019–20 में स्वीकृत 4000.00 लाख रूपये की धनराशि में से मु0 1000.00 लाख रूपये का उपयोग वर्ष 2020–21 में किये

जाने हेतु असमर्थता प्रकट करने के साथ–साथ उक्त धनराशि को अन्य क्षेत्रकों हेतु हस्तानतरित करने का अनुरोध किया गया।

भेड–बकरी क्षेत्रक हेतु मुख्य परियोजना निदेशक/सचिव सहकारिता द्वारा निम्न निर्देश दिये गये–

1. योजना के अन्तर्गत Zero Waste अत्याधुनिक वधालय की स्थापना करते हुए भेड़, बकरी के मांस की आवश्यकता की पूर्ति को असंगठित क्षेत्र से परिवर्तित करते हुए रक्षा संस्थानों, शिक्षा संस्थानों एवं आम उपभोक्ताओं को स्वस्थ एवं स्वच्छ Himalayan Goat Meat की उपलब्धता सुनिश्चित करें।
2. योजना से भेड़–बकरी पालन व्यवसाय को बढ़ावा देने के साथ–साथ पर्वतीय क्षेत्रों से होने वाले पलायन को रोकने की दिशा में सार्थक प्रयास करें, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सुधार हो सके।
3. उत्तराखण्ड में लगभग 18 लाख भेड़/बकरियां है एवं राज्य के निवासियों में 75 प्रतिशत से अधिक मांसाहारी है। राज्य में प्रतिवर्ष 8 से 9 लाख भेड़/बकरियों का वध होता है।
4. राज्य में स्थित संस्थानों, होटल एवं रेस्टोरेन्ट के साथ–साथ आम उपभोगताओं की स्वस्थ्य, स्वच्छ, साफ सुथरे (Hygienic, Healthy, Clean) मीट उपलब्ध कराने हेतु आवश्यक कार्यवाही की जाय।
5. उत्तराखण्ड की भेड़/बकरियों की बिक्री असंगठित रूप में बिचौलियों के माध्यम से राज्य के बाहर जाने से रोका जाय।
6. योजना के निर्माण में Zero Waste Modern Battoir For Sheep & Goat पूजी 500 animals per day capacity की स्थापना का लक्ष्य की पूर्ति हेतु प्रति वर्ष लगभग 1.5 लाख की भेड़/बकरियों की आवश्कता को दृष्टिगत रखते हुये कार्य करना सुनिश्चित करें।

मत्स्य क्षेत्रक–

परियोजना निदेशक मत्स्य द्वारा अवगत करराया गया कि परियोजनान्तर्गत प्रथम चरण वर्ष 2019–20 में मु0 3000.00 लाख रु0 की धनराशि मत्स्य सेक्टर हेतु प्राविधानित/स्वीकृत की गयी जिसके सापेक्ष मु0 1624.85 लाख रु0 की धनराशि का उपयोग परियोजना द्वारा ट्राउट फैडरेशन के अन्तर्गत 22 समितियों द्वारा किये जा रहे कार्यों हेतु किया गया। इन समितियों द्वारा नील क्रान्ति/आर0के0वी0वाई0 योजनान्तर्गत 10–10 इकाई रेसवेज का निर्माण कर ट्राउट मत्स्य उत्पादन का कार्य किया जा रहा है। राज्य समेकित विकास सहकारी विकास परियोजना के सुचारू संचालन हेतु परियोजना प्रबन्धन परामर्शदाता (पी0एम0सी0) का चयन कर लिया गया है चयनित फर्म के साथ अनुबन्ध उपरान्त प्रत्येक समिति की डी0पी0आर0 तैयार कराते हुये अग्रिम कार्यवाही की जायेगी। परियोजना निदेशक मत्स्य द्वारा राज्य स्तरीय नियोजन समिति, राज्य समेकित विकास सहकारी विकास परियोजना के समक्ष वर्ष 2020–21 हेतु रू0 28.00 करोड का प्रस्ताव मात्स्यिकी गतिविधियों हेतु प्रस्तुत किया गया जिसका अनुमोदन राज्य स्तरीय नियोजन समिति द्वारा किया गया।

मत्स्य क्षेत्रक मुख्य परियोजना निदेशक द्वारा परियोजना निदेशक मत्स्य को निम्न निर्देश दिये गये–

1. ट्राउट मत्स्य की आगामी वर्षो की मांग की गणना एवं किस प्रकार बीज की आपूर्ति की जायेगी हेतु एक स्पष्ट कार्य योजना तैयार उपलब्ध करायी जाय।
2. परियोजना प्रबन्धन परामर्शदाता (पी0एम0सी0) हेतु चयनित फर्म के साथ अनुबन्ध की कार्यवाही यथाशीध्र पूर्ण करना सुनिश्चित करें साथ ही माह जुलाई के प्रथम सप्ताह से पी0एम0सी0 को कार्य प्रारम्भ करने की कार्यवाही करना सुनिश्चित करें।

3. जनपद हरिद्वार अन्तर्गत चयनित समितियों के तालाबों का सीमांकन, खुदाई, गहरीकरण, मेढबन्दी एवं सम्बन्धित गतिविधियों की कार्यवाही अतिशीध्र करना सुनिश्चित करें। साथ ही निर्देशित किया गया कि ग्राम समाज के तालाबों को प्रदूषण मुक्त किये जाने हेतु फिल्ट्रेशन टैक के आगणन परियोजना के अन्तर्गत पदस्थ अभियन्ताओं से तैयार कराना सुनिश्चित करें। यह भी निर्देश दिये गये कि यदि निर्माण/सुधार कार्य समितियों के माध्यम से कराये जाने है तो इस आशय का पूर्ण प्रस्ताव तैयार कर स्वीकृति हेतु वित्त विभाग को उपलब्ध कराया जाय।

4. पंगेशियस मत्स्य पालन योजना के सम्बन्ध में निर्देशित किया गया कि वे कोलकाता में उपलब्ध पंगेशियस मत्स्य के प्रगतिशील उत्पादक/डीलर आदि की विस्तृत जानकारी एकत्रित कर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

5. बत्तख हैचरी के सम्बन्ध में अवगत कराया गया कि हैचरी शेड आदि निर्माण की कार्यवाही पूर्ण की गयी है तथा इन्क्यूवेटर क्रय कर कार्य शीध्र चालू अवस्था में लाने हेतु निर्देशित किया।

परियोजनान्तर्गत उपयोग की गयी धनराशि के उपयोग पर सचिव, सहकारिता विभाग/अध्यक्ष महोदय द्वारा संतोष व्यक्त करते हुये निम्नुसार निर्देश निर्गत किये कि सभी परियोजना निदेशको को निर्देशित किया गया कि परियोजनान्तर्गत अवशेष धनराशि का उपयोग स्वीकृत मदान्तर्गत शीध्र कर लें। सभी का धन्यवाद ज्ञाप्ति करते हुये बैठक का समापन किया गया।

(आनन्द ए0डी0 शुक्ल)
नोडल अधिकारी/परियोजना निदेशक
राज्य समेकित सहकारी विकास परियोजना,
उत्तराखण्ड।

कार्यक्रम निदेशालय

राज्य समेकित सहकारी विकास परियोजना, उत्तराखण्ड

सहकारिता परिसर, निकट रेलवे क्रासिंग, मियांवाला, देहरादून।
दूरभाषः-0135-2685634 ई-मेल आई.डी.-cooperativeprojects.uk@gmail.com, ukstate.icdp@gmail.com

पत्रांक-215-19/रा0स0स0वि0प0/बैठक/एस0एल0पी0सी0-1/2020-21/ दिनांक 30, जून 2020

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. समस्त परियोजना निदेशक, राज्य समेकित सहकारी विकास परियोजना उत्तराखण्ड।
2. समस्त सदस्य राज्य स्तरीय नियोजन समिति (एस0एल0पी0सी0)।
3. अपर मुख्य कार्यक्रम निदेशक, राज्य समेकित सहकारी विकास परियोजना उत्तराखण्ड।
4. मुख्य कार्यक्रम निदेशक, राज्य समेकित सहकारी विकास परियोजना उत्तराखण्ड।
5. निजी सचिव, सचिव, सहकारिता विभाग, उत्तराखण्ड शासन को सचिव महोदय के संज्ञानार्थ।

नोडल अधिकारी/परियोजना निदेशक
राज्य समेकित सहकारी विकास परियोजना,
उत्तराखण्ड।